रविवार मई 21, 2017
2 तीमुथियुस श्रृंखला
अध्याय 3: जो सत्य तुमने सीखा है उसमें बने रहो

2 तीमुथियुस अध्याय 3 पढ़ें
अन्तिम दिनों के विषय में भविष्यवाणी

2 तीमुथियुस 3:1-5
[1] पर यह स्मरण रख कि अन्तिम दिनों में कठिन समय आएँगे।
[2] क्योंकि मनुष्य स्वार्थी, लोभी, डींगमार, अभिमानी, निन्दक, माता–पिता की आज्ञा टालनेवाले, कृतघ्न, अपवित्र,
[3] दयारहित, क्षमारहित, दोष लगानेवाले, असंयमी, कठोर, भले के बैरी,
[4] विश्वासघाती, ढीठ, घमण्डी, और परमेश्वर के नहीं वरन् सुखविलास ही के चाहनेवाले होंगे।
[5] वे भक्ति का भेष तो धरेंगे, पर उसकी शक्ति को न मानेंगे; ऐसों से परे रहना।

हम जानते हैं कि ऊपर बताई गई सभी बातें आज हमारे सामने वैश्विक स्तर पर हो रही हैं।

हम विशेष रूप से पद 5 पर ध्यान दिलाते हैं।
यह ध्यान देने योग्य है कि पौलुस यहाँ धार्मिक लोगों को भी उन्हीं लोगों के साथ जोड़ता है जिनका उसने पहले उल्लेख किया है।
ऐसे लोग होंगे जो धार्मिक होंगे, हमारे धर्म के रूप को अपनाए हुए होंगे।
वे सही बातें कहने में सक्षम होंगे, यहाँ तक कि यह दावा भी करेंगे कि वे वही सब मानते हैं जो हम मानते हैं और सही काम करते हैं।
परन्तु वे प्रभु यीशु मसीह की शक्ति (*दुनामिस dunamis*) को नकारेंगे — उसकी वह शक्ति जो जीवनों को बदलती है, चंगाई देती है, छुड़ाती है, स्वतंत्र करती है, और चमत्कार करती है।
पौलुस कहता है, ऐसे लोगों से दूर रहो।

एक कारण यह है कि जिस समय में हम जी रहे हैं, उसमें हमें स्वयं खड़े रहने और इस संसार में प्रभाव डालने के लिए प्रभु की सामर्थ्य की अत्यन्त आवश्यकता है। शक्ति रहित और खाली धार्मिक रूप का इस संसार के गहरे अंधकार पर कोई प्रभाव नहीं होगा जो अन्तिम दिनों में बढ़ता जा रहा है।

चालाक पुरुष, आसानी से धोखा खाने वाली स्त्रियाँ
2 तीमुथियुस 3:6,7
[6] इन्हीं में से वे लोग हैं जो घरों में दबे पाँव घुस आते हैं, और उन दुर्बल स्त्रियों को वश में कर लेते हैं जो पापों से दबी और हर प्रकार की अभिलाषाओं के वश में हैं,
[7] और सदा सीखती तो रहती हैं पर सत्य की पहिचान तक कभी नहीं पहुँचतीं।

"ऐसे ही लोग" — वे पुरुष जो पद 1-5 में वर्णित हैं, विशेषकर वे धार्मिक लोग जिनके पास भक्ति का भेष है परन्तु उसकी शक्ति नहीं है।

वे घरों में चुपके से घुसकर कमजोर और आसानी से धोखा खाने वाली स्त्रियों को वश में कर लेते हैं, जो स्वयं पाप में जी रही होती हैं।
ये स्त्रियाँ "सदा सीखती रहती हैं" — उन्हें बातें करना, सुनना और "नई नई सच्चाइयों" पर चर्चा करना अच्छा लगता है... परन्तु वे कभी भी सत्य को स्वीकार नहीं करतीं, न उसे अपनाती हैं और न उसके अनुसार जीवन जीती हैं।

मुझे लगता है कि यहाँ एक बहुत मजबूत कारण दिया गया है कि पास्टरों/परमेश्वर के सेवकों को तब घरों में नहीं जाना चाहिए जब पति उपस्थित न हों!

भ्रष्ट मन वाले लोग

2 तीमुथियुस 3:8,9
8 जैसे यन्नेस और यम्ब्रेस ने मूसा का विरोध किया था, वैसे ही ये भी सत्य का विरोध करते हैं; ये ऐसे मनुष्य हैं, जिनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई है और वे विश्वास के विषय में निकम्मे हैं।
9 पर वे इससे आगे नहीं बढ़ सकते, क्योंकि जैसे उनकी अज्ञानता सब मनुष्यों पर प्रगट हो गई थी, वैसे ही इनकी भी हो जाएगी।

पौलुस यहाँ "ऐसे लोगों" की बात जारी रखता है—वे ही प्रकार के लोग जिनका उल्लेख उसने पद 5-7 में किया है।

अब पौलुस "इन लोगों" की तुलना यन्नेस और यम्ब्रेस से करता है जिन्होंने मूसा का विरोध किया था।

अब हम मूसा के विषय में निर्गमन की पुस्तक में उसका पहला अनुभव पढ़ते हैं जब वह फिरौन से मिला :

निर्गमन 7:7-13
7 जब मूसा और हारून फ़िरौन से बात करने लगे तब मूसा अस्सी वर्ष का, और हारून तिरासी वर्ष का था।
8 फिर यहोवा ने मूसा और हारून से इस प्रकार कहा,
9 "जब फ़िरौन तुम से कहे, 'अपने प्रमाण का कोई चमत्कार दिखाओ,' तब तू हारून से कहना, 'अपनी लाठी लेकर फ़िरौन के सामने डाल दे कि वह अजगर बन जाए'।"
10 तब मूसा और हारून ने फ़िरौन के पास जाकर यहोवा की आज्ञा के अनुसार किया; और जब हारून ने अपनी लाठी फ़िरौन और उसके कर्मचारियों के सामने डाल दी, तब वह अजगर बन गई।
11 तब फ़िरौन ने पण्डितों और टोनहा करनेवालों को बुलवाया; और मिस्र के जादूगरों ने आकर अपने–अपने तंत्र–मंत्र से वैसा ही किया।
12 उन्होंने भी अपनी–अपनी लाठी को डाल दिया, और वे भी अजगर बन गईं। पर हारून की लाठी उनकी लाठियों को निगल गई।
13 परन्तु फ़िरौन का मन और हठीला हो गया, और यहोवा के वचन के अनुसार उसने मूसा और हारून की बातों को नहीं माना।

पुराने नियम में इन जादूगरों के नाम नहीं दिए गए हैं। इसलिए प्रेरित पौलुस ने यन्नेस और यम्ब्रेस नाम सम्भवतः प्राचीन यहूदी साहित्य के अपने अध्ययन से प्राप्त किए होंगे, जो अधिक सम्भावित बात है। या फिर यह पवित्र आत्मा द्वारा उसे प्रगट किया गया होगा।

किसी भी रीति से, पवित्र आत्मा ने प्रेरित पौलुस को प्रेरित किया कि वह फिरौन के बुद्धिमानों, टोन्हों और जादूगरों के समूह के इन दो व्यक्तियों के नाम लिखे।

मूसा ने परमेश्वर की सामर्थ्य से जो पहले तीन चमत्कार किए (लाठी का साँप बनना, पानी का लहू बन जाना, पानी से मेंढकों का निकलना), वे जादूगर भी कर सके। चौथा चमत्कार वे नहीं कर सके और उन्होंने स्वीकार किया कि यह परमेश्वर की उँगली या परमेश्वर की सामर्थ्य है (निर्गमन 8:18-19)।

अन्तिम दिनों के विषय में पौलुस "इन लोगों" के बारे में यह कहता है :
उनके पास भक्ति का भेष तो होगा परन्तु शक्ति नहीं होगी, वे लोगों के घरों में घुसेंगे, और मिस्र के जादूगरों से सही तुलना करने पर वे आत्मिकवाद और गुप्त विद्या (occult) में भी सम्मिलित होते हैं।

पौलुस आगे कहता है कि ऐसे लोग :
- सत्य का विरोध करते हैं — सत्य के विरुद्ध खड़े होते हैं, उससे लड़ते हैं
- भ्रष्ट मन वाले हैं — बुरे, रोगग्रस्त मन वाले, जिनकी सोच विकृत है
- विश्वास के विषय में निकम्मे हैं — उनका विश्वास वास्तविक नहीं है, वह झूठा, व्यर्थ और नकली है
- वे आगे बढ़ नहीं सकेंगे — वे अपने कार्यों में बहुत दूर तक नहीं पहुँच पाएँगे
- उनकी मूर्खता प्रगट हो जाएगी

यहाँ हम दो महत्वपूर्ण बातें कहना चाहते हैं :

#1, अन्तिम दिनों को देखते हुए हमें परमेश्वर की अलौकिक सामर्थ्य को और अधिक पाने के लिए आगे बढ़ना चाहिए, और उससे पीछे नहीं हटना चाहिए।

#2, हमें अपने विश्वास में दृढ़ खड़े रहना चाहिए, और परमेश्वर की सामर्थ्य के और भी बड़े प्रमाण प्रकट करते रहना चाहिए, जब तक कि सत्य का विरोध करने वालों की मूर्खता और व्यर्थता प्रगट न हो जाए।

#1, जब मिस्र में टोन्हों और जादूगरों ने शैतान की शक्ति से नकली चमत्कार किए, तब परमेश्वर ने मूसा से यह नहीं कहा कि "अब चिन्ह और चमत्कार करना बंद कर दो और कोई दूसरा तरीका अपनाओ।"
हम जानते हैं कि पौलुस ने 1 तीमुथियुस 4:1-3 में लिखा है, और प्रभु यीशु ने भी भविष्यवाणी की है कि अन्तिम दिनों में झूठे और नकली शिक्षकों, शैतान के कार्यकर्ताओं की संख्या बढ़ेगी।
यदि कुछ है, तो वह यह है कि प्रभु यीशु की कलीसिया को और अधिक परमेश्वर से पवित्र आत्मा की सामर्थ्य के प्रगटीकरण और प्रदर्शन के लिए आग्रह करना चाहिए।

#2, यद्यपि शैतान के पास चमत्कार, चिन्ह और अद्भुत कार्यों की नकल करने की क्षमता है, और वह पवित्र आत्मा के वरदानों की भी नकल कर सकता है, फिर भी उसकी शक्ति की सीमा है।
जैसे मिस्र में हुआ, जब मूसा ने फिरौन का सामना किया।
कलीसिया को उस स्थान पर आना चाहिए जहाँ वह हमारे परमेश्वर की अधिक सामर्थ्य और अधिक महिमा को प्रगट करे।

आइए हम परमेश्वर की सामर्थ्य के और अधिक प्रगटीकरण के लिए आगे बढ़ते रहें!

तीमुथियुस का प्रशिक्षण संगति के द्वारा

2 तीमुथियुस 3:10,11
10 परन्तु तू ने उपदेश, चालचलन, मनसा, विश्वास, सहनशीलता, प्रेम, धीरज, और सताए जाने, और दुःख उठाने में मेरा साथ दिया;
11 और ऐसे दुःखों में भी जो अन्ताकिया और इकुनियुम और लुस्त्रा में मुझ पर पड़े थे, और अन्य दुःखों में भी जो मैं ने उठाए हैं; परन्तु प्रभु ने मुझे उन सबसे छुड़ा लिया।

तीमुथियुस को लगभग 18 वर्षों तक प्रेरित पौलुस के साथ निकटता से काम करने का सौभाग्य मिला।
पौलुस ने उसे विश्वास में अपने पुत्र के समान माना।
पौलुस ने तीमुथियुस को अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं को देखने दिया।
यही तरीका है जिससे हम अपने तीमुथियुसों को तैयार करते हैं।

2 तीमुथियुस 3:12
पर जितने मसीह यीशु में भक्ति के साथ जीवन बिताना चाहते हैं वे सब सताए जाएँगे;

सताव से कोई छूट नहीं!

2 तीमुथियुस 3:13
परन्तु दुष्ट और बहकानेवाले धोखा देते हुए और धोखा खाते हुए, बिगड़ते चले जाएँगे।

पौलुस अन्तिम दिनों में क्या होगा, इस तथ्य को पुनः दोहराता है।
इसलिए कलीसिया को सत्य, पवित्रता, शुद्धता और सामर्थ्य में और अधिक मजबूत होना चाहिए, ताकि जो कुछ होने वाला है उसका सामना कर सके।
"इम्पोस्टर्स" (imposters) शब्द वास्तव में "जादूगर" या "मंत्र बुदबुदाने वाले" लोगों को दर्शाता है।
हम ऐसे लोगों की बढ़ती हुई संख्या देखेंगे जो गुप्त विद्या (occult) में लगे होंगे, गलत प्रकार की शक्ति के स्रोत का उपयोग करेंगे, और इसी के द्वारा अनेक लोगों को धोखा देंगे।

जो तुमने सीखा है उसमें बने रहो

2 तीमुथियुस 3:14,15
14 पर तू उन बातों पर जो तू ने सीखीं हैं और विश्वास किया है, यह जानकर दृढ़ बना रह कि तू ने उन्हें किन लोगों से सीखा है,
15 और बचपन से पवित्रशा□स्त्र तेरा जाना हुआ है, जो तुझे मसीह पर विश्वास करने से उद्धार प्राप्त करने के लिये बुद्धिमान बना सकता है।

सत्य में बना रह, क्योंकि तू जानता है :

- तूने उन्हें किन लोगों से सीखा है

- तूने उन्हें कहाँ से (पवित्र शास्त्रों से) सीखा है

दो महत्वपूर्ण शिक्षाएँ :
#1, हमें विश्वासयोग्य (credibility वाले) पुरुष और स्त्रियाँ बनना चाहिए। हमारा संदेश इसलिए विश्वासयोग्य है क्योंकि हम स्वयं विश्वासयोग्य हैं। यदि लोग हम पर भरोसा करते हैं, तो वे हमारी बातों पर भी भरोसा कर सकते हैं।

#2, हमें लोगों को पवित्र शास्त्रों में स्थिर करना चाहिए।

सम्पूर्ण शास्त्र — हमारे जीवन और सेवकाई के लिए तैयारी

2 तीमुथियुस 3:16,17
16 सम्पूर्ण पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है और उपदेश, और समझाने, और सुधारने, और धार्मिकता की शिक्षा के लिये लाभदायक है,
17 ताकि परमेश्वर का जन सिद्ध बने, और हर एक भले काम के लिये तत्पर हो जाए।

इसके बाद पौलुस तीमुथियुस को पवित्र शास्त्र की ओर ले जाता है — अर्थात् उस समय के पुराने नियम के शास्त्र।
अब हम समझते हैं कि यह सम्पूर्ण नए नियम पर भी लागू होता है — जो भी प्रेरणा और प्रकाशन के द्वारा लिखा गया था।

सम्पूर्ण शास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से दिया गया है — यह परमेश्वर द्वारा "श्वासित" है। परमेश्वर के पवित्र जनों ने पवित्र आत्मा के द्वारा प्रेरित होकर लिखा (2 पतरस 1:20-21)।

2 पतरस 1:20,21
20 पर पहले यह जान लो कि पवित्रशास्त्र की कोई भी भविष्यद्वाणी किसी के अपने ही विचारधारा के आधार पर पूर्ण नहीं होती,
21 क्योंकि कोई भी भविष्यद्वाणी मनुष्य की इच्छा से कभी नहीं हुई, पर भक्त जन पवित्र आत्मा के द्वारा उभारे जाकर परमेश्वर की ओर से बोलते थे।

सिद्धांत doctrine = शिक्षा, सीख
फटकार reproof = प्रमाण प्रगट करना, दोष दिखाना, दोषबोध उत्पन्न करना
सुधार correction = सीधा करना, सुधार, पुनःस्थापन
अनुदेश instruction = शिक्षा, प्रशिक्षण, पालन-पोषण, सुधार, अनुशासन

हमें बनाता है :
सम्पूर्ण complete = सिद्ध, परिपूर्ण
सुसज्जित equipped = पूरी रीति से सुसज्जित, तैयार, भली-भाँति योग्य

हमें पवित्र शास्त्रों के अध्ययन और उसके अनुसार जीवन जीने के लिए अपने आप को समर्पित करना चाहिए।

मुख्य सीख

2 तीमुथियुस 3:14,15

14 पर तू उन बातों पर जो तू ने सीखीं हैं और विश्वास किया है, यह जानकर दृढ़ बना रह कि तू ने उन्हें किन लोगों से सीखा है,

15 और बचपन से पवित्रशा□स्त्र तेरा जाना हुआ है, जो तुझे मसीह पर विश्वास करने से उद्धार प्राप्त करने के लिये बुद्धिमान बना सकता है।

जो सीखा है उसे जारी रखें

सेवा का समय

लाइफ़ ग्रुप अध्ययन मार्गदर्शिका

रविवार मई 21, 2017

2 तीमुथियुस अध्याय 3

यह लाइफ ग्रुप चर्चाओं में उपयोग के लिए एक सरल मार्गदर्शिका है। हमारा उद्देश्य रविवार के संदेश के अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित करना है—कि कैसे प्रत्येक व्यक्ति वचन का करने वाला बन रहा है और अपने जीवन को परमेश्वर के पवित्र वचन पर बना रहा है। लाइफ ग्रुप की सभा सामान्यतः 2 घंटे की होती है। प्रत्येक लाइफ ग्रुप में लगभग 12-15 लोग होते हैं।

तैयारी

लाइफ ग्रुप बैठक की तैयारी के लिए, आप Sermon Key Points (पाँच मिनट में संदेश का सार) या पूरा रविवार का संदेश सुन सकते हैं। आप रविवार के संदेश के नोट्स भी देख सकते हैं। यह सभी "All Peoples Church Bangalore-ऑल पीपल्स चर्च बैंगलोर" मोबाइल ऐप में या ऑनलाइन **apcwo.org/sermons** पर उपलब्ध हैं। लाइफ ग्रुप बैठक के लिए प्रार्थना करें और पवित्र आत्मा के कार्य और सेवकाई को आमंत्रित करें।

स्वागत

लाइफ ग्रुप बैठक की शुरुआत प्रार्थना, आराधना और किसी मनोरंजक गतिविधि के समय से हो सकती है।

परमेश्वर के वचन को सुनें

निम्नलिखित शास्त्र खंड पढ़ें: *2 तीमुथियुस अध्याय 3*

मिलकर परमेश्वर के वचन की जाँच करें

कृपया इनमें से कुछ प्रश्नों पर मिलकर चर्चा करें, और लोगों को अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। हम प्रत्येक व्यक्ति को प्रोत्साहित करते हैं कि समूह चर्चा के दौरान अपने व्यक्तिगत सीख को लिख लें।

#1, "भक्ति का भेष तो होगा, पर उसकी सामर्थ्य को न मानेंगे" (पद 5) से आप क्या समझते हैं? आज के समय में इसे किस प्रकार पहचाना जा सकता है?

#2, इस अध्याय में अंतिम दिनों के विषय में जो चेतावनी हमें दी गई है, उसके अनुसार एक विश्वासी का दृष्टिकोण क्या होना चाहिए — (A) व्यक्तिगत रूप से मजबूत बनने के लिए, और (B) संसार में होने वाली बातों का सामना करके परमेश्वर के राज्य को आगे बढ़ाने के लिए, ताकि हमारे पास एक आगे बढ़ने वाली कलीसिया हो, न कि एक रक्षात्मक या उससे भी बढ़कर पीछे हटने वाली कलीसिया।

यदि समय अनुमति दे, तो प्रत्येक व्यक्ति कुछ मिनट (अधिकतम तीन मिनट) लेकर एक या दो मुख्य सीख साझा करे और यह बताए कि वे इसे अपने विशिष्ट जीवन परिस्थितियों में कैसे लागू होते हुए देखते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को भाग लेने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

अपने जीवन और आत्मिक यात्रा को साझा करते हुए संगति करें

प्रत्येक व्यक्ति कुछ मिनट (अधिकतम 3 मिनट) लेकर परमेश्वर के साथ अपने जीवन से संबंधित कुछ भी साझा करे—जो कुछ परमेश्वर उन्हें सिखा रहा है, प्रार्थना के उत्तर की कोई गवाही, या कोई विशेष चुनौती जिसके लिए वे प्रार्थना चाहते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को भाग लेने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

एक-दूसरे को प्रोत्साहित करें—प्रार्थना और सेवकाई के द्वारा

दो या तीन लोगों के छोटे समूहों में बँट जाएँ और बारी-बारी से आज जो सीखा गया है उसके प्रकाश में परमेश्वर को धन्यवाद दें और एक-दूसरे के लिए प्रार्थना करें। पवित्र आत्मा की अगुवाई सुनें। पवित्र आत्मा के वरदानों के बहने की अपेक्षा रखें—चंगाई, चमत्कारों की रिहाई, भविष्यवाणी आदि के द्वारा।

पुनः एकत्रित हों और इन विषयों के लिए मिलकर प्रार्थना करें:

1. *परिवारों की सुरक्षा और सुदृढ़ता के लिए*
2. *कलीसिया के रूप में हम पर परमेश्वर के पवित्र आत्मा का एक शक्तिशाली उंडेलाव हो, और हमारे द्वारा हमारे नगर और राष्ट्र में बहुतों को आशीष मिले। केवल परमेश्वर के आत्मा का सामर्थी कार्य ही हमारे नगर और राष्ट्र को बदल सकता है।*
3. *BUILD TO IMPACT (प्रभाव के लिए निर्माण करें) परियोजना के लिए—भूमि की खोज और अधिग्रहण की प्रक्रिया में परमेश्वर के हाथ की अगुवाई के लिए, और इस परियोजना को पूरा करने के लिए पर्याप्त से भी अधिक वित्तीय प्रावधान के लिए।*

अंत में मिलकर परमेश्वर को धन्यवाद देते हुए समाप्त करें।

उपयोगी संसाधन

हर रविवार सुबह 10:30 बजे (भारतीय समय, GMT+5:30) हमारी ऑनलाइन संडे चर्च सेवा का लाइव प्रसारण देखें। पवित्र आत्मा से परिपूर्ण, अभिषिक्त आराधना, वचन और चंगाई, चमत्कार तथा छुटकारे की सेवा।
यूट्यूब: https://youtube.com/allpeopleschurchbangalore
वेबसाइट: https://apcwo.org/live

हमारी अन्य वेबसाइट्स और निःशुल्क संसाधन:
चर्च: https://apcwo.org
निःशुल्क संदेश: https://apcwo.org/resources/sermons
निःशुल्क पुस्तकें: https://apcwo.org/books/Hindi
दैनिक भक्ति-वचन: https://apcwo.org/resources/daily-devotional
यीशु मसीह: https://examiningjesus.com
बाइबल कॉलेज: https://apcbiblecollege.org
ई-लर्निंग: https://apcbiblecollege.org/elearn
वीकेंड स्कूल्स: https://apcwo.org/ministries/weekend-schools
काउंसलिंग: https://chrysalislife.org
संगीत: https://apcmusic.org
मिनिस्टर्स फेलोशिप: https://pamfi.org
चर्च ऐप: https://apcwo.org/app
चर्चेस: https://apcwo.org/ministries/churches
विश्व मिशन: https://apcworldmissions.org